

ई-ऑफिस में चली फाइल आसानी से नहीं हो सकेगी रोल बैक, सरकार ने किया साफ

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार का सारा कामकाज ई-आफिस सिस्टम से संचालित है, इससे लाल फीताशाही की गुंजाइश पूरी तरह समाप्त हो गई है, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए तकनीकी पेंच भी आए हैं। दरअसल इस सिस्टम में अगर कोई फाइल चल गई तो उसे फिर से पहली वाली स्थिति में लाना, यानी रोल-बैक करना आसान नहीं होगा।

राज्य शासन ने इस स्थिति के मद्देनजर साफ किया है कि ई-ऑफिस में रोलबैक की सुविधा सामान्य प्रक्रिया नहीं होगी, बल्कि इसका उपयोग केवल निर्धारित और औचित्यपूर्ण परिस्थितियों में ही किया जाएगा। राज्य सरकार

रोलबैक व्यवस्था पर शासन सख्त, विशेष परिस्थितियों में ही वापस होगी फाइल

डिजिटल गवर्नेंस पर सरकार का फोकस

छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल के महीनों में ई-ऑफिस प्रणाली को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इनमें डिजिटल हस्ताक्षर प्रक्रिया को सरल बनाना, ई-ऑफिस के माध्यम से पत्राचार को प्राथमिकता देना, फाइल प्रबंधन के लिए मानक प्रक्रिया लागू करना तथा मंत्रालय में हार्ड कॉपी फाइलों की निमंरता समाप्त करने जैसे कदम शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाना है।



क्या होगा प्रभाव

नई व्यवस्था लागू होने के बाद विभागों में फाइलों को अनावश्यक रूप से पीछे भेजने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगने की उम्मीद है। साथ ही प्रत्येक रोलबैक का रिकॉर्ड ई-ऑफिस प्रणाली में सुरक्षित रहेगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया का पूरा डिजिटल ट्रैक उपलब्ध रहेगा। इससे शासन स्तर पर निगरानी आसान होगी और प्रशासनिक पारदर्शिता को भी मजबूती मिलेगी।

क्या है रोलबैक व्यवस्था ?

ई-ऑफिस में रोलबैक का अर्थ किसी फाइल को उसके पहले के स्तर पर वापस भेजना है, ताकि आवश्यक सुधार, अतिरिक्त जानकारी या तकनीकी त्रुटि का निराकरण किया जा सके। शासन के निर्देशों के अनुसार यह सुविधा नियमित कार्यप्रणाली का विकल्प नहीं होगी, बल्कि केवल उचित कारणों और सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के बाद ही अपनाई जाएगी। इससे फाइलों की ट्रैकिंग और जवाबदेही भी बनी रहेगी। दस्तावेज में इसी विषय पर विभागों के बीच पत्राचार का उल्लेख है।

प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने की पहल

जनकारों का मानना है कि यदि रोलबैक की प्रक्रिया नियंत्रित और नियमबद्ध रहेगी तो फाइलों में अनावश्यक हस्तक्षेप कम होगा तथा प्रत्येक स्तर की जवाबदेही तय रहेगी। इससे विभागों में निर्णय प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित होगी और ई-ऑफिस प्रणाली की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

पिछले कुछ वर्षों से प्रशासनिक कामकाज को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। मंत्रालय से लेकर जिला कार्यालयों तक ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जा रही है, ताकि फाइलों का संचालन कागजरहित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से हो सके।

इसी क्रम में अब फाइलों को पूर्व स्तर पर वापस भेजने यानी रोलबैक की प्रक्रिया को भी व्यवस्थित करने का प्रयास किया गया है। सरकार पहले भी ई-ऑफिस से माध्यम से कार्य संपादन, डिजिटल हस्ताक्षर, फाइल प्रबंधन और हार्ड कॉपी की निमंरता कम करने संबंधी कई दिशा-निर्देश जारी कर चुकी है।

ख़बर संक्षेप



प्रोजेक्ट पुनर्जीवन से पेड़ों को मिली कंक्रीट और जाली से मुक्ति

रायपुर। जिले में पेड़ों को प्राकृतिक रूप से विकसित होने का अवसर देने के लिए शुरू किए गए ‘प्रोजेक्ट पुनर्जीवन’ ने अब महाभियान का रूप ले लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सोमवार को पं. दीनदयाल आँडितोरियम परिसर में इस अभियान में शामिल हुए और पर्यावरण संरक्षण के लिए इसे जनभागीदारी से आगे बढ़ाने पर जोर दिया तथा जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना की। इस महाभियान में कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, लखनलाल देवांगन, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, भवन एवं सनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह तथा विधायक पुंरंद मिश्रा भी शामिल हुए। प्रोजेक्ट पुनर्जीवन के तहत जिलेभर में महाभियान चलाकर पेड़ों के आसपास लगे अनावश्यक कंक्रीट घेराव और ट्री-गार्ड की जालियां हटाई गईं।

राजधानी में चीन की तरह पार्किंग कामप्लेक्स बनाने की मांग

रायपुर। नहरपारा विकास समिति की अध्यक्ष एवं पूर्व पाषंद रमेश आहूजा तथा महामंत्री किशोर आहूजा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर रायपुर में ईसी



सेंट्रल हास्पिटल चीन की तरह पार्किंग कामप्लेक्स बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि राज्य से तकनीकी ज्ञान रखने वाले अधिकारी व किसी ऑर्किटेक्ट को पार्किंग कामप्लेक्स का अध्ययन करने चीन भेजना चाहिए, फिर उसी तरह पार्किंग का निर्माण राजधानी में किया जाए। इससे ट्रैफिक की समस्या खत्म होगी। उन्होंने बताया कि राजधानी में जहां एक ओर वाहनों की संख्या रोज बढ़ रही है, वहीं बाजारों का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। इसके मुकाबले वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था नहीं है।

पूर्व सीएम के जन्मदिन पर वरिष्ठजनों के लिए खेल स्पर्धा



रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भनपुरी स्थित यतिव्रतन लाल वार्ड क्रमांक-4 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए पारंपरिक छत्तीसगढ़ी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। किरण वर्मा के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में 60 से 85 वर्ष आयुवर्ग के लगभग 80 बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ी संस्कृति और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता में गेंदी दौड़, मटका फोड़, गिल्ली-डंडा, रस्साकसी और कुर्सी दौड़ जैसे खेलों का आयोजन किया गया।

केंद्र सरकार ने कम वजन पर लगाया है बैन

खाद्य तेलों के कम वजन वाले पाउच की सप्लाई बंद, अब 1 सितंबर से एक लीटर ही मिलेगा

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

खाद्य तेलों में करीब एक साल से वजन कम करके जो मनमाने दाम वसूलने का खेल चल रहा था, उस पर अब केंद्र सरकार ने पूरी तरह से बैन लगा दिया है।

अब उत्पादक कंपनियों ने पहले की तरह ही एक लीटर का पाउच बनाना प्रारंभ कर दिया है। कम वजन वाले पाउच की सप्लाई अब पूरी तरह बंद कर दी गई है। छूट मिलने के बाद एक लीटर के स्थान पर 650, 750 और 800 एमएल के पाउच बनाकर ग्राहकों को भ्रम में डालकर ठगने का काम किया गया।

कम वजन की छूट जिस मकसद से दी गई थी, उसके स्थान पर ग्राहक लूट रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने ग्राहकों को राहत देने के लिए वजनों का एक बार फिर से मानक तय कर दिया है। लेकिन इसी के साथ कंपनियों और कारोबारियों को अपना पुराना स्टॉक खपाने के



अब एक लीटर का आएगा पाउच

लिए 31 अगस्त तक का समय दिया है। किसी भी हाल में एक सितंबर के बाद कम वजन वाले खाद्य तेलों के पाउच नहीं बिकेंगे। खाद्य तेलों में पहले सभी कंपनियों के एक लीटर के ही पाउच आते थे। इसी के साथ पांच लीटर के साथ 15 किलो का टिन का तेल आता था। लेकिन गरीब परिवारों को जो

एक लीटर का पाउच नहीं ले पाते हैं, उनको राहत देने के लिए तेल की उत्पादक कंपनियों को कम वजन करके पाउच बनाने की छूट दी गई थी, ताकि गरीब परिवार अपने बजट के हिसाब से कम वजन वाले तेल के पाउच लेकर अपना काम चला सके।

केंद्र सरकार ने वापस एक बार सभी कंपनियों के खाद्य तेलों को एक लीटर का बनाने का आदेश जारी किया है। अब 31 अगस्त के बाद कम वजन वाले पाउच नहीं बिकेंगे। कंपनियों ने कम वजन वाले पाउच की सप्लाई बंद कर दी है।

– प्रेम पाहुजा, अध्यक्ष डूमरतराई थोक बाजार

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट घेरा, खाद्य सामग्री के दाम कम करने की मांग

रायपुर। रक्षाबंधन और आगामी त्योहारी सीजन से पहले खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर और खाद्य विभाग का घेराव किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए।

और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए शक्कर, प्याज, गुड़, दाल और तेल सहित रोजमराा की खाद्य



सामग्री के दाम नियंत्रित करने की मांग की। कांग्रेसियों ने कहा, पेट्रोल-डीजल, गैस सिलेंडर और बिजली बिल की बढ़ती कीमतों के बीच अब खाद्य वस्तुओं की महंगाई ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पार्टी नेताओं ने सरकार पर जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का भी आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर कार्यालय जाने का प्रयास कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने करीब दो घंटे तक केंद्र और राज्य सरकार के साथ वित्त, वाणिज्य एवं खाद्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी की।

पीएम आवास पर सियासत तेज

पूर्व सीएम बघेल ने स्वीकार की डिप्टी सीएम शर्मा की चुनौती



हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर सियासत तेज हो गई है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से बहस के लिए चुनौती को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, बहस के लिए समय और स्थान तय कर लें।

उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के आंकड़े सामने रखते हुए कहा था कि प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर निर्माण का निर्णय लिया गया था। उन्होंने दावा किया कि सरकार बनने के बाद अब तक 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के मकान पूर्ण किए जा चुके हैं। मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि यदि वे पीएम आवास के मुद्दे पर किसी भी मंच पर

चर्चा करना चाहते हैं तो सरकार इसके लिए तैयार है।

डिप्टी सीएम की चुनौती मंजूर: भूपेश

वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने विजय शर्मा की चुनौती स्वीकार करते हुए कहा, मुझे विजय शर्मा की चुनौती मंजूर है। समय और स्थान तय कर लें, मैं बहस करने के लिए तैयार हूं।

लिखित में झूठ बोलने का आरोप

भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री आवास के आंकड़ों को लेकर विजय शर्मा पर सवाल उठाते हुए कहा, वे लिखित में झूठ बोलते हैं। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में 18 लाख 50 हजार आवास स्वीकृत होने की बात कही गई है, जबकि संसद में अलग आंकड़े बताए जाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर दोनों में सही कौन है?

पूर्व मुख्यमंत्री ने किया दावा

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में 11 लाख से अधिक आवास पहले ही बनाए जा चुके थे, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल और उनके कार्यकाल के आवास भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में बिलासपुर में हुए एक कार्यक्रम के दौरान करीब 7 लाख आवास स्वीकृत कराए गए थे, जिसमें राहुल गांधी भी शामिल हुए थे।

डिप्टी सीएम शर्मा से किए सवाल

श्री बघेल ने आगे कहा कि 45000 आवास ऐसे थे, जो इनके सर्वे में नहीं थे। हमने 45000 मुख्यमंत्री आवास को स्वीकृति दी। इस तरह कुल 18 लाख 50 हजार हुए। उन्होंने विजय शर्मा से सीधा सवाल करते हुए कहा कि वे यह बताएं कि मौजूदा सरकार ने कितने आवास स्वीकृत किए और उनमें से कितने पूरे किए हैं। उन्होंने दावा किया कि 18 लाख 45 हजार आवास उनके कार्यकाल में ही स्वीकृत हो चुके थे।

राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर अब हर तीन माह में करना अनिवार्य है

राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद ही अगले माह होगी भाजपा प्रदेश कार्यसमिति

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने अब हर तीन माह में प्रदेश कार्यसमिति जरूरी कर दी है। वैसे तो पहले भी हर तीन माह में प्रदेश कार्यसमिति जरूरी थी, लेकिन इसके लिए राष्ट्रीय कार्यसमिति का इंतजार करना पड़ता था। कई बार साल भर राष्ट्रीय कार्यसमिति न होने पर प्रदेश कार्यसमिति भी नहीं हो पाती थी। लेकिन अब प्रदेश के लिए हर तीन माह में कार्यसमिति जरूरी कर दी गई और कहा गया है कि इसके लिए राष्ट्रीय कार्यसमिति का इंतजार जरूरी नहीं है।

नए निर्देश के बाद पहली बार 12 और 13 मई को प्रदेश कार्यसमिति हुई थी। अब तीन माह बाद अगस्त में प्रदेश कार्यसमिति होनी है। लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई कार्यकारिणी बनने के बाद अब अगले माह राष्ट्रीय कार्यसमिति होने वाली है। ऐसे में राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद ही प्रदेश कार्यसमिति करने का फैसला किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने अब हर माह पांच स्तर पर बैठक करने के भी निर्देश दिए हैं। इस निर्देश के बाद हर माह भाजपा की लगातार बैठकें हो रही हैं। इन बैठकों का मकसद मिशन 2028 का विधानसभा चुनाव है। भाजपा का हमेशा से ही बूथों पर बड़ा फोकस रहता है। बूथों को मजबूत करके भाजपा चुनाव जीतने का काम करती है। पिछले चुनाव में भी बूथों की पूरी कुंडली तैयार करके कमजोर बूथों पर फोकस किया



क़्रम तय किया गया

बैठकों के लिए क्रम भी तय किया गया है। हर माह के पहले सप्ताह में मंडलों की बैठक होगी। दूसरे सप्ताह में जिलों और तीसरे सप्ताह में शक्ति केंद्रों की बैठक होगी। अंत में बूथों की बैठक चौथे सप्ताह में ही होगी। बीते तीन माह से लगातार बैठकें हो रही हैं।

गया और भाजपा एक बार फिर से सत्ता में वापस आई। अब एसआईआर के बाद प्रदेश में करीब 25 हजार बूथों के स्थान पर करीब 28 हजार बूथ हो गए हैं तो भाजपा का उन तीन हजार नए बूथों पर भी बड़ा फोकस है। अब हर माह भाजपा का बैठकों का दौर चल रहा है। इसमें बूथों को लेकर खास मंथन किया जा रहा है। किस मंडल और किस जिले में कितने बूथ ऐसे हैं जो कमजोर हैं। इसके बाद इन बूथों को मजबूत करने की रणनीति तैयार करके इनको मजबूत किया जाएगा।

साव ने जताई खुशी

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने एक साथ ह्वनी बड़ी संख्या में नियुक्ति पर खुशी जताते हुए कहा कि युवा इंजीनियरों की विभाग में नियुक्ति से विभागीय कार्यों, विशेषकर जल जीवन मिशन के कार्यों में गति आएगी। उच्चतम व्यायालय से प्रकरण के निराकरण के तत्काल बाद हमने नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर पदस्थापना आदेश जारी किए हैं। इन युवा इंजीनियरों की उर्जा और तकनीकी दक्षता का लाभ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को मिलेगा।

ज्वाइनिंग के समय लगेंगे ये दस्तावेज

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने सभी चयनितों को पदस्थापना कार्यालय में उपस्थित देते समय शैक्षणिक योग्यता प्रमाणपत्र, स्थाई जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, सक्षम मेडिकल बोर्ड का स्वास्थ्य प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्रों की मूल प्रति अनिवार्यतः प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मूल तकनीकी शैक्षणिक योग्यता प्रमाणपत्र के साथ कक्षा दसवीं की अंक-सूची, जिसमें जन्मतिथि अंकित हो या मूल जन्म प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

15 दिनों में ज्वाइनिंग के निर्देश

पीएचई में 111 उप अभियंताओं की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने 111 उप अभियंताओं की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। इनमें 101 सिविल अभियंता और 10 विद्युत यांत्रिक अभियंता शामिल हैं। प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा नियुक्ति के साथ ही सभी चयनित उप अभियंताओं की पदस्थापना के आदेश भी जारी किए गए हैं। चयनितों को नियुक्ति आदेश जारी होने के 15 दिनों के भीतर पदस्थापना कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने कहा गया है।



निर्धारित तिथि तक उपस्थित नहीं होने की स्थिति में नियुक्ति स्वयंमेव निरस्त मानी जाएगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में उप अभियंता (सिविल) के 118 पदों तथा उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) के 10 पदों पर

भर्ती के लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा अप्रैल-2025 में लिखित परीक्षा ली गई थी। परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद जुलाई-2025 में विभाग द्वारा व्यापम की मेरिट सूची के अनुसार अभ्यर्थियों के

दस्तावेज परीक्षण और पदस्थापना विकल्प के संबंध में कांउंसिलिंग के बाद उच्चतम न्यायालय में दायर स्थान के कारण नियुक्ति प्रक्रिया विलंबित रही। उच्चतम न्यायालय द्वारा 20 अगस्त 2026 को याचिका के निराकरण के बाद उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने तत्काल 22 अगस्त को प्रथम चरण में अनुशंसित चयन सूची के अनुसार सिविल के 101 उप अभियंताओं के पदस्थापना आदेश जारी कर दिए हैं।

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

→ मेटर्निटी, चिल्ड्रन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल →

उपलब्ध सुविधाएँ

- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
- नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
- एच बायोटेकनी का अपरेशन व वसंधी
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT

गर्भ और शिशु का विकास

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनबीबीएच, एमडी) शिशु एवं नवचर रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनबीबीएच, पी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

कॉन्सल्ट

9009553889, 9090204620

एकम नगर, अंबेडकर चौक के पास, मुंबईवाड़ी रायपुर श्राव - मातृ स्मृति नंगल बाजार, गारवरी नॉर्दर्न के सामने, मुंबईवाड़ी, रायपुर

डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ

फेफड़े सर्जनी एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE

भास्कर आई केयर

कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज

EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

निरंकारी सलिंग भवन के पास, हिंदि स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह बाजार, रायपुर (छ.ग.)

07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

९ फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

● मूत्र रोग एवं सर्जरी

● किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज

● प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज

● यौन संबंधी समस्याएं

● महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

पाइल्स

पाइल्स का इलाज, एक लेप, द्वारा मससे को गला कर जड़ से इलाज किया जाता है।

समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)

9039050422, 9179455561

९ सरस्वती दाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। ९ मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

श्री सुरेश्वर महादेव पीठ खम्हारडीह में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान किया गया। संस्थापक डॉ. स्वामी राजेश्वरानंद जी के सान्निध्य में कुमार शंकिता अग्रवाल एवं बाल कुशल अग्रवाल ने सुबह 3.20 से 6 बजे तक प्रथम शिव पंचायत की पूजा-अर्चना की। इस दौरान 11 ढासपों ने रुद्राष्टाध्यायी पाठ, भोलेनाथ का विधिवत अभिषेक करवाया। अभिषेक में दूध, दही, शहद, घी, शक्कर, पंचामृत, चंदन, भस्म, इत्र, भांग, सूर्योषधि, गन्ने का रस, फलों के रस, हल्दी पानी और नारियल पानी का उपयोग किया। अभिषेक के बाद बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार किया गया। शाम 7 बजे भी महादेव का विशेष श्रृंगार कर महाआरती की गई।

सिटी लाइव

भगवान महेश की महाआरती के बाद स्मृति में पौधारोपण



रायपुर। जिला माहेश्वरी सभा ने रविवार को डुंडा स्थित माहेश्वरी भवन में भगवान महेश की महाआरती एवं स्वीजन की स्मृति में पौध रोपण का आयोजन किया। इसमें समाज के लोगों ने उत्साह से सहभागिता निभाई। इसकी शुआत भगवान महेश की महाआरती से की गई। इसके बाद स्वल्पाहार किया गया। समाज के लोगों ने अपने दिवंगत एवं प्रिय स्वजनों की स्मृति में विभिन्न छायादार पौधे रोपे और उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष उमेश राठी, सचिव सूरज प्रकाश राठी, प्रचार-प्रसार प्रमारी प्रदीप बियानी सहित संयोजक दीपक बूब, मनोज एम. राठी, श्रीनिवास वाडक और राजेश बियानी की उपस्थित रही। इसमें प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर राठी, पूर्व अध्यक्ष सुरेश मुंढड़ा, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री नारायण राठी, कोषाध्यक्ष अजय सारजा, प्रदेश उपाध्यक्ष पवन मोहता ने सहभागिता की। मंच संचालन संगठन मंत्री निलेश मुंढड़ा ने किया।

लोगों ने नीम, गुलमोहर बेल सहित कई पौधे रोपे

पौध रोपण के दौरान नीम, गुलमोहर, बेल, अमलतास, कदम और पारिजात सहित कई पौधे लगाए गए। सभी पौधे की स्वजनों की स्मृति से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य का संदेश दिया। इसमें समाज के कई पदाधिकारियों और सदस्यों ने सहयोग किया। गुरुत्व माहेश्वरी सभा से गोपाल राठी और संतोष टावरी विशेष रूप से शामिल हुए। रायपुर जिला माहेश्वरी सभा ने पौधों की व्यवस्था नि:शुल्क किया। इसके लिए सभा ने मावेश राम नायक के प्रति आभार व्यक्त किया। समाज के लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण से जुड़े ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की जरूरत बताई।

धर्म लाइव

चालीहा महोत्सव : कल भव्य जुलूस, आज सत्संग

रायपुर। सिंधी समाज द्वारा 40 दिनों का व्रत और आराधना पर्व चालीहा महोत्सव मनाया जा रहा है। इसका शुभारंभ 16 जुलाई को किया गया था। इसके अंतर्गत सिंधी समाज के ईष्टदेव भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना की जा रही है। 40 दिनों का उपवास रखकर घरों में ज्योत जलाने के बाद भगवान झूलेलाल की आराधना की जा रही है। साथ ही मनोकामना की पूर्ति के लिए आस की मटकी अपने घर में रखकर उसमें जल भरने के बाद विधि-विधान से 40 दिनों तक पूजा-अर्चना का नियम किया जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि सिंध प्रांत में मुगल शासक के भय से दुखी होकर समाज के लोगों द्वारा सिंधु नदी के किनारे 40 दिनों तक पूजा-अर्चना और आन्हान के बाद भगवान झूलेलाल का अवतरण हुआ।



साईंजी के आगमन पर होगा भव्य स्वागत

इसके बाद तत्कालीन मुगल बादशाह के अत्याचारों का अंत भगवान झूलेलाल द्वारा किया गया। तब से सिंधी समाज द्वारा हर वर्ष चालीहा महोत्सव मनाया जाता है। विज्ञप्ति में साईं शहरवाले से जुड़े सेवादारी महेश रोहता, मुकेश थवानी, सुभाष बजाज और तनेश आहूजा ने बताया कि चालीहा महोत्सव के समापन पर बुधवार को अहमदाबाद के साईं शहरवाले के सानिध्य में भव्य जुलूस निकाला जाएगा। इसके लिए 25 अगस्त को साईंजी का रायपुर आगमन हो रहा है। सिंधी समाज व थावानी परिवार द्वारा इस अवसर पर साईंजी के शहर आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा।

सिटी इवेंट

बड़ों का चरण स्पर्श कर स्कूल जाने के लिए निकलें



रायपुर। छात्र-छात्राओं से संवाद प्रोग्राम का हिस्सा बनने के लिए सोमवार को दक्षिण क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी जेआर दानी विद्यालय कालीबाड़ी पहुंचे। जहां दसवीं और बारहवीं की 75 छात्राओं को उत्कृष्टता प्रमाणपत्र देने के साथ पांच-पांच हजार रुपए का चेक भी प्रदान किया। अभी तक दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के स्कूलों में अध्ययनरत हैं। ऐसे 19 स्कूलों के लगभग 227 विद्यार्थियों का चयन करने के बाद उन्हें सम्मानित किया गया है। स्कूल में सम्मान पाने वाले उत्कृष्ट विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। इससे विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है। वहीं विधायक श्री सोनी ने उद्बोधन में कहा कि यहां केवल विधानसभा क्षेत्र के स्कूलों में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को सम्मानित नहीं किया जा रहा है। बल्कि इसमें ऐसे छात्र-छात्राएं भी शामिल हैं, जो रायपुर में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं।

केवल पढ़ने नहीं, अपनों का सपना पूरा करने आए

वक्ताओं और अतिथियों ने कहा कि जीवन में टाइम मैनेजमेंट का बहुत महत्व है। अगर नियमित दिनचर्या के लिए आज से ही प्रण करें कि रात को सोने से पहले अगले दिन की दिनचर्या तय करेंगे। समय के पाब्द बर्न और स्कूल आने से पहले घर में अपनों बड़ों का चरण स्पर्श करके ही स्कूल के लिए निकलें। उन्होंने कहा कि छात्र घर से स्कूल केवल पढ़ने ही नहीं आते, बल्कि परिवार का सपना पूरा करने आते हैं। संगमि होकर और अधिक ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर, अकबर अली, जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, सद्व बाजार मंडल अध्यक्ष संतोष सोनी, भावागव मंडल अध्यक्ष अमिषेक विहारी, पुरानी बस्ती मंडल अध्यक्ष केदार धनगर शामिल हुए।

महंत घासीदास संग्रहालय स्थित मुक्ताकाशी मंच पर चार दिवसीय श्रृंखला के तीसरे दिन रही भीड़

पावस प्रसंग : शास्त्रीय गीत-संगीत, नृत्यों का अद्भुत संगम देख भावविभोर हुए कलाप्रेमी

शास्त्रीय गीत-संगीत और नृत्य का अद्भुत संगम सोमवार की रात महंत घासीदास संग्रहालय स्थित मुक्ताकाशी मंच पर देखने को मिला। वर्षा ऋतु के सौंदर्य पर आधारित सांस्कृतिक 'पावस प्रसंग' के अवसर पर संस्कृति विभाग की वार्षिक सांस्कृतिक श्रृंखला में 'पावस प्रसंग' चार दिवसीय आयोजन के तीसरे दिन शास्त्रीय गीत-संगीत और नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर किया।



कथक संग शिव भक्ति का अलौकिक दर्शन

उमरती कथक नृत्यांगना इशिका गिरी ने कथक नृत्य में शिव दर्शन व भक्ति का अद्भुत प्रस्तुति से दर्शकों को अलौकिक भक्ति से सराबोर किया। इशिका ने शिव वंदना में जटाधराय शिव, कैलाश पति और त्रिशूलधारी रूपों को चित्रित किया। वहीं रायगढ़ घराने की शैली में

तोड़े, टुकड़े, तिहाई और परण की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। पद, लय, ताल और घुंघरुओं की झंकार से वातावरण भक्तिमय हुआ। अंतिम में महाराज चक्रधर द्वारा रचित चंद्रवदनी अलबेली नार तुमरी से समापन किया।

शास्त्रीय बंदिशों और ताल पर शानदार नृत्य



स्वर्णिम कर्मोंहें के मार्गदर्शन में रायगढ़ घराने की शैली और परंपरा के अंतर्गत कथक की शानदार व भावपूर्ण प्रस्तुतियां से दर्शकों की सराहना बटोरी।

पावस प्रसंग की तीसरी प्रस्तुति में युवा नृत्यांगना शाश्वती बैनर्जी ने शास्त्रीय बंदिशों और ताल पर कथक नृत्य की शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। नृत्यांगन ने अपने गुरु डॉ.



लोक गीत-संगीत की जुगलबंदी संग सावन की फुहार

कार्यक्रम की दूसरी प्रस्तुति छत्तीसगढ़ी लोक गायन के कलाकार मेधा बीस ने लोक गीत, गजल और गायन में सावन गीतों की सुरमयी माला से दर्शकों को गुनगुनाने व झूमने पर मजबूर कर दिया। गायिका ने अपनी मधुर आवाज व लोक संगीत के जुगलबंदी के साथ पावस प्रसंग की मंच को यादगार बना दिया। रिमझिम बारिश के बीच लोक गीत दर्शकों के मन को झु लिया। लोक गीत संगीत के प्रेमी देर रात तक कार्यक्रम में गीत-संगीत का आनंद लेते रहे।

शास्त्रीय गायन में राग मेघ और मल्हार

शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति में गायक पं. प्रदीप चौबे ने मेवाती घराने में पंच ऋतु के मेघ, मलहार राग की प्रस्तुति दिया। उन्होंने मिया मल्हार और देश मल्हार की बंदिशें सुनाते हुए सावन में बारिश के सौंदर्य और उल्लास का वर्णन किया। इस शास्त्रीय गायन की बंदिशों ने दर्शकों को आनंद से भर दिया।

बच्चे-बड़े सपने देखें, खूब मेहनत करें और देश-प्रदेश की सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ें



रायपुर। साईंस कॉलेज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में श्रमिक परिवार के प्रतिभावन छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए बच्चों से कहा कि बच्चे बड़े सपने देखें, खूब मेहनत करें और देश-प्रदेश की सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ें। श्रमिक परिवारों के बच्चे आगे बढ़ेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का सपना पूरा होगा। श्रमिक हमारे विकास की मजबूत नींव हैं। अपने परिश्रम से वे सड़कें, भवन, पुल और विकास की अनेक संरचनाएं खड़ी करते हैं। ऐसे श्रमिक परिवारों के बच्चों को अच्छी शिक्षा और जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। श्रमिक परिवारों के बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ेंगे, अपने सपनों को पूरा करेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का संकल्प भी साकार होगा। समारोह का सगसे आत्मीय दृश्य उस समय देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री श्री साय श्रमिक परिवारों के बच्चों के साथ दोपहर का भोजन करने बैठे। मुख्यमंत्री बच्चों के बीच सहजता से बैठे और परिवार के सदस्य की तरह उनसे बातचीत करते रहे। औपचारिक कार्यक्रम से अलग इस संवाद में बच्चों ने भी मुख्यमंत्री से खुलकर सवाल किए।

श्रमिक परिवार के 200 बच्चों को योजना लाभ व सम्मान

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की शुरुआत पिछले वर्ष 100 बच्चों के साथ की गई थी। इस वर्ष इसका विस्तार करते हुए 200 बच्चों को योजना के अंतर्गत प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में शिक्षा का अवसर दिया गया है। प्रदेश के सभी 33 जिलों से चयनित प्रतिभावान बच्चे राजकुमार कॉलेज, दिल्ली पब्लिक स्कूल और रंगटा पब्लिक स्कूल जैसे प्रतिष्ठित विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

कार्यक्रम में यह रहें उपस्थित

राजस्व मंत्री टंकुराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, उपाध्यक्ष किशोर महानंद, श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी, श्रमिक, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।



वाइल्डलाइफ, वास्तुकला लैंडस्केप स्ट्रीट फोटोग्राफी की सजी प्रदर्शनी

रायपुर। एनआईटी में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी ऑग- 2026 का आयोजन किया गया। संस्थान के फोटोग्राफी क्लब क्लक क्लब द्वारा 24 से 26 अगस्त तक इस कार्यक्रम में सदस्यों की रचनात्मक फोटोग्राफी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया है। फोटो प्रदर्शनी का सोमवार को भव्य शुभारंभ किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने फोटोग्राफी के माध्यम से दृश्यकला और कहानी कहने का जीवंत प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में एनआईटी के निदेशक डॉ. एनवी रमना राव बतौर मुख्य अतिथि शामिल रहे। प्रदर्शनी में क्लब के सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित फोटोग्राफ्स का आकर्षक संग्रह प्रस्तुत किया गया, जिसमें वाइल्डलाइफ, वास्तुकला, लैंडस्केप, स्ट्रीट एवं लाइफस्टाइल फोटोग्राफी जैसी विविध विधाओं को शामिल किया गया है। इन तस्वीरों के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपने आसपास की दुनिया को देखने और उसे कैमरे के माध्यम से अभिव्यक्त करने के अपने अनूठे दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर डॉ. राव ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए क्लक क्लब के सदस्यों की रचनात्मकता, लगन एवं प्रयासों की प्रशंसा की और उन्हें अपनी कला को निरंतर निखारने के लिए प्रोत्साहित किया।



प्रत्येक चित्र के पीछे रचनात्मक दृष्टिकोण

इस अवसर पर सांझी की हेड डॉ. समीर बाजपेयी, डॉन डॉ. एस. सांन्याल तथा डॉन डॉ. मनोज चौपकर विशेष रूप से शामिल हुए। यह आयोजन क्लक क्लब के फैकल्टी इंवाज डॉ. अंकुर गुप्ता एवं डॉ. आरबी नायक के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। क्लक क्लब के सदस्यों ने प्रदर्शित फोटोग्राफ्स की विभिन्न श्रेणियों के बारे में अतिथियों को जानकारी दी तथा प्रत्येक चित्र के पीछे के दृष्टिकोण और रचनात्मक प्रक्रिया से उन्हें परिचित कराया।

22 दिवसीय तप श्रृंखला में अंतिम तीन दिन तपस्वी 25 से तीन दिन करेंगे उपवास

तीन दिन तक केवल दो बार सिर्फ गर्म पानी ग्रहण करके 150 तपस्वी करेंगे साधना

कार्नर न्यूज

रायपुर। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्व मंगलमय वर्षावास में श्री गिरनार नेमी तप की आराधना अंतिम चरण में है। इस 22 दिवसीय तप के अंतिम क्रम में तीन दिन 150 तपस्वी 25 अगस्त से तीन दिवसीय उपवास (तेला) करेंगे। इसमें वह केवल गर्म पानी ही ग्रहण करेंगे। तपस्वी सुबह धर्मसभा में मुनि भगवंत से मांगलिक प्राप्त करने के बाद तथा सूर्यास्त से पहले शाम 4.30 बजे तक जरूरत के अनुसार गर्म पानी ग्रहण करेंगे। मुनिश्री संवेगरल सागरजी म.सा. आदि थाणा की पावन निश्रा में 7 अगस्त से शुरू हुए इस तप में 150 तपस्वी आत्म कल्याण के उद्देश्य से साधना कर रहे हैं। 25,26 और 27 अगस्त को 150 तपस्वी आत्म-कल्याण और त्याग की भावना से व्रत तपस्वी को संपूर्ण करेंगे। तीन दिनों तक निराहार कठिन तपस्या होगी। तप का पाण्डा 28 अगस्त को उपासक करेंगे।



मेहंदी-सांझी का विधान 26 अगस्त को

श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया और कार्यकारी अध्यक्ष अमय भंसाली ने बताया कि श्री गिरनार नेमी तप की तपस्या के निमित्त 26 अगस्त को मुनि भगवंतों की निश्रा में मेहंदी-सांझी का विधान होगा। श्री संभवनाथ जिनालय से बैडबाजे के साथ मेहंदी के थाल लेकर लाभार्थी परिवार के साथ बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपाश्रय पहुंचेंगी। यहां सभी तपस्वियों को मेहंदी मेंट की जाएगी। वहीं महिला मंडल द्वारा भक्ति गीत-संगीत से सांझी का आयोजन किया जाएगा।

लाभार्थी परिवारों द्वारा किया जाएगा सम्मान

उन्होंने बताया कि लाभार्थी परिवारों द्वारा तपस्वियों का तिलक, माला श्रीफल से सम्मान किया जाएगा। चातुर्मास समिति द्वारा लाभार्थी परिवार के हाथों सभी तपस्वियों के तपस्या को यादगार उपहार भेंट किए जाएंगे। भक्ति और संगीत के बीच बहुमान समारोह सभी तपस्वियों का सम्मान किया जाएगा। 28 अगस्त को 150 तपस्वी सामूहिक पाण्डा करके तपस्या पूर्ण करेंगे। रविवार को चतुर्विध संघ के सानिध्य में श्री गिरनार नेमी तप के निमित्त निकली भव्य श्री गिरनार भाव यात्रा में सभी 150 तपस्वी शामिल होंगे। विवेकानंद नगर से शुरू हुई यात्रा टैगोरनगर स्थित पटवा भवन पहुंची। भक्तिमय-संगीतमय श्री गिरनार तीर्थ की भाव यात्रा और भगवान नेमीनाथ की भक्ति के बाद धर्म सभा में तपस्वियों के साथ श्रावक-श्राविकाओं ने मुनिभगवंतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सिटी स्पोर्ट्स

राजेश दवे बने भारतीय महिला टीम के मैनेजर, टी-20 एशिया कप में संभालेंगे जिम्मेदारी

रायपुर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव और रणजी खिलाड़ी राजेश दवे को आगामी महिला टी-20 एशिया कप-2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मैनेजर नियुक्त किया है।

श्री दवे इससे पहले वर्ष 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौर के दौरान भी भारतीय महिला टीम के मैनेजर की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। महिला टी-20 एशिया कप का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर 2026 तक दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, संयुक्त अरब अमीरात में होगा। भारतीय टीम ग्रुप ए में पाकिस्तान, हांगकांग और थाईलैंड के साथ है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगी। इसके बाद भारतीय टीम 3 सितंबर को हांगकांग और 5 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले 10 और 11 सितंबर, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा। राजेश दवे के पास क्रिकेट प्रशासन और टीम प्रबंधन का लंबा अनुभव है। उनकी नियुक्ति से भारतीय महिला टीम को बेहतर मार्गदर्शन और मजबूत संगठनात्मक सहयोग मिलने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने श्री दवे को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए विस्वास जताया कि उनकी देखरेख में भारतीय महिला टीम एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाएगी।

रायपुर में ब्लैक बेल्ट टेस्ट, 43 विद्यार्थियों ने हासिल की सफलता



रायपुर। जिला रायपुर फीनिक्स शितोरियु कराटे-डो एसोसिएशन की ओर से 23 अगस्त को ब्लैक बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल 43 विद्यार्थियों ने विभिन्न डॉन स्तरों में ब्लैक बेल्ट हासिल की। ब्लैक बेल्ट टेस्ट का मूल्यांकन रेन्शी अमल तालुकदार ने किया। वे छत्तीसगढ़ शासन के हनुमान सिंह पुरस्कार से सम्मानित हैं और फीनिक्स शितोरियु कराटे-डो एसोसिएशन इंडिया के प्रमुख तथा 6वें डॉन ब्लैक बेल्ट धारक हैं। उनके अनुभव, तकनीकी दक्षता और निष्पक्ष मूल्यांकन के चलते परीक्षा महत्वपूर्ण रही। परीक्षा में प्रथम डॉन के 26, द्वितीय डॉन के 11, तृतीय डॉन के 5 और चतुर्थ डॉन के 1 विद्यार्थी सफल रहे। इस अवसर पर जिला रायपुर फीनिक्स शितोरियु कराटे-डो एसोसिएशन के शिहान मनीष बाग, सेंसेई संजय कुमार ठाकुर और सेंसेई राजू धीवर उपस्थित रहे। शिहान मनीष बाग ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ब्लैक बेल्ट केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास का प्रतीक है।

पाँवर-स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में निसार अहमद और मधु अहीर बने स्ट्रॉन्गेस्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ पाँवर लिफ्टिंग एवं स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एसोसिएशन (म.) के तत्वावधान में रायपुर में पाँवर एंड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयुवर्ग के खिलाड़ियों ने पाँवर एवं स्ट्रेंथ लिफ्टिंग में अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के महासचिव माणिक ताम्रकार ने बताया कि प्रतियोगिता में निसार अहमद को स्ट्रॉन्ग मैन ऑफ इंडिया और मधु अहीर को स्ट्रॉन्ग वुमेन ऑफ इंडिया का खिताब मिला। दोनों विजेताओं को मुख्य अतिथि ताम्रकार युवा समाज के अध्यक्ष धीरज ताम्रकार तथा प्रदेश बाँडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गेश साहू ने क्रमशः 7 हजार और 5 हजार रुपए के नकद पुरस्कार तथा 5 फीट ऊँचे बिना कप से सम्मानित किया। पुरुष वर्ग में जूनियर स्ट्रॉन्ग मैन का खिताब यशवर्धन सोनी, सब-जूनियर में ओडिशा के असीम बेहरा और मास्टर वर्ग में निशार अहमद ने हासिल किया। महिला वर्ग में जूनियर की विजेता मधु अहीर, सब-जूनियर में अंकिता राठौर और मास्टर वर्ग में जबलपुर की मंजुलता इंग्ले रहीं। प्रतियोगिता में पुरुषों के पाँवर लिफ्टिंग वर्ग में स्वर्ण पदक विजेताओं में नवीन चंद्र कपूर, प्रतीक चंद्रकार, रोहित जेथिया, असीम बेहरा, यशवर्धन सोनी, पीयूष यादव, योगेश साहू, हेमचंद्र कोराम, शंख सैफुल्लाह, हर्ष गोस्वामी, विवेक जांगड़े, अमित बेहरा, गुरप्रीत छाबड़ा, सुमित बघेल, निसार अहमद, मयंक सोनी, जयनारायण अग्रवाल, प्रवीण पटेल, रवींद्र माकर, दीपांकर घोष, तुषार श्रीवास्तव, तपिश टेंभरे, संदीप पैकरा और अमन पोद्दार शामिल रहे। महिला वर्ग में भी खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम : ग वर्ग में स्वर्ण पदक विजेताओं में माही गुप्ता, अंकिता राठौर, नम्रता नायक, पायल महापात्र, मंजू इंग्ले, शकुंतला तांती, मधु अहीर, हाजरा बानो, बरसा मोदक और बबली दुबे शामिल रहीं। सिल्वर मेडल संजना भट्ट ने हासिल किया। स्ट्रेंथ लिफ्टिंग के पुरुष वर्ग में यश काची, तेजस हेडउ, तुषार श्रीवास्तव, वंश सहगल, सौरभ यादव, हर्ष गोस्वामी, प्रदीप पटेल, आकाश चंद्रकार, मयंक सोनी, रविशंकर दुबे और रॉबर्ट एम. कामरा ने स्वर्ण पदक जीते।

दवाई का असर कम हो सकता है या इसके बुरे प्रभाव बढ़ सकते हैं

दवाई खाते समय न करें ये गलतियां, वरना... पड़ सकता है स्वास्थ्य पर बुरा असर

दवाई का सेवन हमारी सेहत को ठीक करने के लिए जरूरी है। हालांकि, कई बार हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो हमारी सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं। इन गलतियों के कारण दवाई का असर कम हो सकता है या इसके बुरे प्रभाव बढ़ सकते हैं। आइए आज हम आपको दवाई खाते समय की जाने वाली गलतियों और इनसे जुड़ी सावधानियों के बारे में बताते हैं, जिनसे आप अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं।



खाली पेट दवाई लेना

खाली पेट दवाई लेना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में कर बैठते हैं। इससे आपके पेट पर बुरा असर पड़ सकता है और आपको उल्टी, जो मिचलाना या पेट दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हमेशा दवाई लेने से पहले या बाद में कुछ खाना चाहिए, ताकि आपका पेट भरा रहे और दवाई सही तरीके से काम कर सके। इससे आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे और आप जल्दी ठीक हो सकेंगे।

पानी के साथ न लेना

दवाई को पानी के साथ न लेना भी एक बड़ी गलती हो सकती है। कई लोग दवाई लेते समय सिर्फ सूखे मुँह से ही इसे निगल लेते हैं, जिससे दवाई गले में अटक सकती है या सही तरीके से पच नहीं पाती। हमेशा दवाई को पानी के साथ लेना चाहिए, ताकि यह आसानी से आपके शरीर में पहुँच सके और सही तरीके से अपना काम कर सके। इससे आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे और आप जल्दी ठीक हो सकेंगे।

खुद से खुराक कम या ज्यादा करना

कई बार लोग खुद से ही अपनी दवाई की मात्रा कम या ज्यादा कर लेते हैं। ऐसा करना बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे दवाई का असर बदल सकता है और आपको बुरे प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, हमेशा डॉक्टर द्वारा बताई गई मात्रा और समयानुसार ही दवाई लेनी चाहिए। इससे आप सही तरीके से इलाज कर सकेंगे और किसी भी तरह की समस्या से बच सकेंगे।

अन्य लोगों से सलाह दवाई लेना

दूसरों की बातों पर आंख मूंदकर विश्वास करना भी एक बड़ी गलती हो सकती है, खासकर जब बात दवाई लेने की हो। हर व्यक्ति की शारीरिक स्थिति अलग होती है और जो दवाई एक व्यक्ति के लिए सही हो सकती है, वह दूसरे व्यक्ति के लिए गलत भी हो सकती है। इसलिए, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बताई गई दवाई को बिना डॉक्टर की सलाह के न लें और अपनी समस्या के अनुसार सही इलाज करवाएं।

बिजनेस साइट

जीके इलेक्ट्रिक ने किया एडवाइजरी बोर्ड का गठन

रायपुर। इलेक्ट्रिक श्री-व्हीलर निर्माता जीके इलेक्ट्रिक ने कंपनी के विस्तार और कारोबारी प्रक्रियाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से एडवाइजरी बोर्ड का गठन किया है। बोर्ड में ऑटोमोबाइल क्षेत्र के अनुभवी दिग्गज विजय चांदोरिकर और अभिजीत जोशी को संस्थापक सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है। बोर्ड की अध्यक्षता जीके इलेक्ट्रिक के चेयरमैन अमर पारवानी करेंगे। कंपनी के अनुसार, बोर्ड आगामी विस्तार, प्रोसेस डिसिप्लिन और स्थानीय बाजार में कंपनी की स्थिति मजबूत करने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन देगा। विजय चांदोरिकर को ऑटोमोबाइल उद्योग में 40 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने फिएट इंडिया में सेल्स एवं मार्केटिंग डायरेक्टर तथा फिएट सुंदरम ऑटो फाइनेंस में प्रेसिडेंट एवं सीईओ सहित विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। वहीं, अभिजीत जोशी के पास तीन दशकों से अधिक का ऑटोमोटिव अनुभव है। वे टाटा मोटर्स, फोर्ड इंडिया और फिएट इंडिया में प्रमुख पदों पर कार्य कर चुके हैं। कंपनी नेतृत्व ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुभव से जीके इलेक्ट्रिक को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की रणनीति और मजबूत प्रक्रियाएं विकसित करने में मदद मिलेगी।



पाटनी टोयोटा कार शोरूम में आयोजित हुई अनोखी ‘भजन जैमिंग’, 500 से अधिक श्रद्धालु हुए शामिल

रायपुर। लाभांडी स्थित पाटनी टोयोटा के कार शोरूम में अनोखे ‘भजन जैमिंग’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहली बार शोरूम परिसर में हुए इस आयोजन में 500 से अधिक युवा, महिलाएं और परिवार शामिल हुए। सामान्यतः कारों की प्रदर्शनी और ग्राहकों की आवाजाही से गुलजार रहने वाला शोरूम भक्ति संगीत के रंग में नजर आया। लाइव म्यूजिक बैंड ने भजनों की प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। संगीत की धुन तेज होने के साथ ही श्रद्धालु झूमते और कीर्तन करते नजर आए। कई लोगों ने हाथ उठाकर भजनों में सहभागिता की और परिवारों ने भी उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया।

घुटने के दर्द से राहत के लिए विशेष शिविर का आज अंतिम दिन

रायपुर। घुटने के दर्द से परेशान लोगों को बिना ऑपरेशन और दवा राहत का अनुभव कराने के उद्देश्य से सन रिहैबिलिटेशन की ओर से विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर 25 अगस्त को सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक होटल ग्रैंड अर्जुन, शहीद स्मारक के सामने, मिलेनियम प्लाजा के पास जीई रोड, रायपुर में लगेगा। शिविर में जरूरतमंद लोगों को विशेष घुटने का पट्टा स्वयं पहनकर उसके उपयोग का अनुभव लेने का अवसर मिलेगा। आयोजकों के अनुसार, पट्टे में

लगे विशेष गियर की मदद से शरीर के वजन को स्थानांतरित करने में सहायता मिलती है, जिससे घुटने के जोड़ों के बीच दबाव कम करने में मदद मिल सकती है और दर्द व परेशानी में राहत महसूस हो सकती है। आयोजकों ने बताया कि कई बुजुर्ग और जरूरतमंद लोग इस पट्टे का उपयोग कर चुके हैं और उन्होंने घुटने के दर्द व परेशानी में कमी का अनुभव साझा किया है। लोगों से अपील की गई है कि वे शिविर में पहुंचकर पट्टे का स्वयं उपयोग करें और इसकी उपयोगिता का अनुभव लें।

यातायात जवानों को मिले 200 रेनकोट, उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

रायपुर। बारिश के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था संभालने वाले पुलिस जवानों को उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल, भाटागांव की ओर से 200 उच्च गुणवत्ता वाले रेनकोट प्रदान किए गए। तेज बारिश और प्रतिकूल मौसम में भी चौक-चौराहों पर ड्यूटी करने वाले जवानों की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने यह पहल की। इस अवसर पर यातायात पुलिस कार्यालय में सम्मान एवं आभार समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुकेश अमित



तुकाराम कांबले और पुलिस उपायुक्त (यातायात) अर्चना झा ने अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. विनोद सिंह सहित टीम को पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अधिकारियों ने कहा कि यह सहयोग जवानों के कर्तव्य के प्रति सम्मान का प्रतीक है और इससे उनका मनोबल बढ़ेगा। कार्यक्रम में 200 रेनकोट जवानों को वितरित किए गए।

पारस इंस्टीट्यूट ने लॉन्च की ‘डिजिटल मार्केटिंग एआई मास्टर क्लासेज’

रायपुर। पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन ने विद्यार्थियों को बदलते डिजिटल दौर की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम ‘डिजिटल मार्केटिंग एआई मास्टर क्लासेज’ लॉन्च किया। संस्थान के अनुसार, पाठ्यक्रम में डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई टूल्स, कंटेंट क्रिएशन, सोशल मीडिया और आधुनिक डिजिटल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ डिजिटल स्किल्स, तकनीकी ज्ञान, रचनात्मकता और रोजगारपरक कौशल से जोड़ना है, ताकि वे डिजिटल अर्थव्यवस्था में उभरते अवसरों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें। कार्यक्रम में संस्थान की डायरेक्टर डॉ. कविता कुंभज, राहुल कुंभज, पुलेश कश्यप, रानी, काजल, दीपिका, राधिका, रेणुका, कृष्णा और सुमित सहित स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।



जेन जेड को क्यों हो रही है ज्यादा बाल झड़ने की समस्या? जानिए कुछ संभावित कारण

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, जो हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, हाल के अध्ययन बताते हैं कि जनरेशन जेड यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों में बालों का झड़ना तेजी से बढ़ रहा है। यह समस्या खासकर महिलाओं में अधिक देखी जा रही है। आइए जानते हैं कि क्यों बालों का झड़ना जेन जेड के लोगों में अधिक देखा जा रहा है।

तनाव और मानसिक स्वास्थ्य : जेन जेड के लोग अक्सर मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। तनाव, चिंता और अवसाद जैसे मुद्दे उनके जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। इन समस्याओं का असर न केवल मानसिक, बल्कि शारीरिक सेहत पर भी पड़ता है। बालों का झड़ना भी इसका एक लक्षण हो सकता है। जब व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान होता है तो उसका शरीर भी प्रभावित होता है, जिससे बाल तेजी से झड़ने लगते हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव : सोशल मीडिया ने जेन जेड पर गहरा असर डाला है। वे अपने जीवन की हर छोटी-बड़ी घटना को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं और दूसरों की तुलना करते हैं। इससे उन्हें आत्म-सम्मान की कमी और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं का असर उनके बालों पर पड़ता है, जिससे बाल तेजी से झड़ने लगते हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर सुझाए उत्पाद चुनना भी एक कारण है।

गलत खान-पान और पोषण की कमी : आजकल के लोग फास्ट फूड और जंक फूड का सेवन ज्यादा करते हैं, जो पोषण से भरपूर नहीं होते और शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। सही पोषण न मिलने से बाल कमजोर हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं। सही खान-पान से बालों की सेहत बेहतर हो सकती है। इसके लिए हरी सब्जियां, फल, प्रोटीन युक्त आहार और पानी का सेवन बढ़ाना जरूरी है। साथ ही विटामिन और मिनरल की कमी को दूर करने पर ध्यान दें।

हेयर स्टाइलिंग उपकरणों का अत्यधिक उपयोग

हेयर स्टाइलिंग उपकरण, जैसे स्ट्रेटनर और कर्लर आदि का अत्यधिक उपयोग भी बालों के झड़ने का कारण बन सकता है। इन उपकरणों से बालों को सीधा या घुमा कर स्टाइल किया जाता है, लेकिन इनकी गर्मी से बाल कमजोर हो जाते हैं। इसलिए, इनका उपयोग कम से कम करें और प्राकृतिक तरीकों से हेयर स्टाइलिंग करें। इसके अलावा हेयर स्टाइलिंग के लिए प्राकृतिक उपायों का उपयोग करें, ताकि बाल स्वस्थ रहें और झड़ने की संभावना कम हो।

उल्टी आने पर अपनाएं घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम और बेहतर होगी तबीयत

उल्टी एक आम समस्या है, जो कई कारणों से हो सकती है। यह अक्सर खाने की गलतियों, संक्रमण या पेट की समस्याओं के कारण होती है। उल्टी आने पर पेट में मचलन और जो मचलना जैसी असहजता महसूस होती है। इस स्थिति में कुछ सरल और असरदार घरेलू उपाय आपकी मदद कर सकते हैं।

अदरक का सेवन करें : अदरक का सेवन उल्टी आने पर बहुत फायदेमंद हो सकता है। अदरक में ऐसे गुण होते हैं, जो पेट की मचलन को कम करते हैं और उल्टी की भावना को दूर करते हैं। आप ताजा अदरक का एक छोटा टुकड़ा चबा सकते हैं या अदरक वाली चाय पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और उल्टी की भावना कम होगी, जिससे आपको जल्दी राहत मिलेगी। आप सूखी अदरक भी खा सकते हैं।

नींबू पानी पिए : नींबू पानी भी उल्टी आने पर एक अच्छा घरेलू उपाय हो सकता है। नींबू में विटामिन-C होता है, जो शरीर को ऊर्जा देता है और पेट को ठंडक पहुंचाता है। एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से पेट को आराम मिलता है और उल्टी की भावना कम होती है। यह पेय न केवल ताजगी प्रदान करता है, बल्कि आपके शरीर को तरलता भी देता है, जिससे आपको जल्दी राहत मिलती है।

पुदीने की चाय पिए : पुदीने की चाय भी उल्टी आने पर एक अच्छा उपाय हो सकती है। पुदीने में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो पेट की मचलन को कम करते हैं और उल्टी की भावना को दूर करते हैं। एक कप गर्म पानी में कुछ पुदीने की पत्तियां डालकर 5-10 मिनट तक छोड़ दें, फिर इसे छानकर पीएं। इससे पेट को आराम मिलेगा और आपको जल्दी राहत मिलेगी, जिससे आप बेहतर महसूस करेंगे।

केला खाएं : केला एक पोष्टिक फल है, जिसे आप आसानी से खा सकते हैं। केला पोटाथियम से भरपूर होता है, जो शरीर को ऊर्जा देता है और पेट को ठंडक पहुंचाता है। अगर आपको उल्टी आ रही है तो एक पका हुआ केला खाएं या उसका स्मूदी बनाकर पीएं। इससे आपको पेट भरा हुआ महसूस होगा और आपको जल्दी राहत मिलेगी।

रायपुर बाजार

Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पटेल बोरवेल्स

संतोषी नगर, रायपुर

9200003357, 7999898750

Kirlanka, KESKO, C.R.I. PUMPS, JETPUMP

मोटर वाईडिंग, वाटर पंप, रिपेयरिंग कार्य किया जाता है।

पैसा चाहिए ? हमारे पास आइए

(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित

न्यूनतम कागजी कार्यवाही 5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन

मोटवानी फायनेंस गली नं. 03, सिटी कॉलोनी, तेलीबांचा, रायपुर

93404-44755

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।

संपर्क करें

मो. 6263818152, 7067183593

Bhoi's

SWIMMING ACADEMY

Give Your Child Confidence, Fitness, And A Skill For Life. Join Our Academy Today And Discover The Swimmer Within You!

(SPECIAL OFFER FOR 3 to 6 MONTH)

Choubay Colony Old Health Watch Raipur (C.G.)

98271169161
9589854455

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

भारतीय संस्कृति को अपनाना उनके रिश्ते के लिए अच्छा रहा : प्रियंका



मुंबई। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अपनी अदाकारी के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह अपने पति निक जोनस के साथ अक्सर शानदार तस्वीरें शेयर करती हैं। दोनों एक दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। इस बीच प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि अगर निक ने भारतीय संस्कृति की कद्र नहीं की होती तो वह उनसे प्यार नहीं करती। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में निक जोनस के साथ अपनी सांस्कृतिक समझ के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि जब दो लोग अलग-अलग बैकग्राउंड से आते हैं, तो एक-दूसरे की जड़ों का सम्मान करना जरूरी होता है। अभिनेत्री ने माना कि भारतीय संस्कृति को अपनाने उनके रिश्ते के लिए अच्छा रहा है। अभिनेत्री ने रिश्ते को मजबूत बनाए रखने में दयालुता के महत्व पर भी जोर दिया। एक बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मुझे नहीं पता कि अगर वह ऐसा नहीं करते तो क्या मैं उनसे प्यार करती। किसी भी दो संस्कृति वाली कहानी या रिश्ते में यह एक बड़ी बात होती है। मुझे लगता है कि अपने पार्टनर की जड़ों का सम्मान करना बहुत जरूरी है।' प्रियंका और निक अक्सर एक-दूसरे के सबसे बड़े सपोर्टर होने के साथ-साथ उन परंपराओं और कल्चर को अपनाने के बारे में बात करते रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में 'साइकिल ऑफ लव' के प्रीमियर के लिए न्यूयॉर्क में थीं, जो एक डॉक्यूमेंट्री है। इसके लिए उन्होंने एंजीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर काम किया है।

टॉलीवुड

तेजा के जन्मदिन पर हुई 'जॉम्बी रेड्डी 2' की घोषणा, साथ नजर आएंगी शनाया



साउथ सिनेमा के अभिनेता तेजा सच्चा की बहुचर्चित फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के सीक्वल की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने खास तौर पर एक्टर के जन्मदिन पर इस जानकारी को साझा किया है। फिल्म में तेजा के साथ एक मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस भी अपना साउथ डेब्यू करती नजर आएंगी। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' तेजा सच्चा की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की जानकारी आज तेजा सच्चा के 31वें बर्थडे पर फैंस को सरप्राइज के रूप में दी गई। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' में तेजा सच्चा मुख्य भूमिका में होंगे। 'जॉम्बी रेड्डी 2' की कास्ट में एक्ट्रेस शनाया कपूर भी शामिल हो चुकी हैं। इस फिल्म से शनाया, साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करेंगी। वहीं, फिल्म में अभिनेता उपेंद्र भी अहम भूमिका में होंगे। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम, नेपाली के साथ-साथ जापानी भाषा में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शनाया कपूर अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'तू या मैं' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजॉय नाबिथार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया था। इससे पहले शनाया 2025 में विक्रांत मेसी के साथ 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आ चुकी हैं। तेजा सच्चा की फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म एक्शन-कॉमेडी हॉरर फिल्म थी। यह तेलुगु सिनेमा की सबसे पहली जॉम्बी बेस्ड फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन प्रशांत वर्मा ने किया था। फिल्म की कहानी एक गेम डेवलपर मारियो और उसके दोस्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई थी।

भोजपुरी

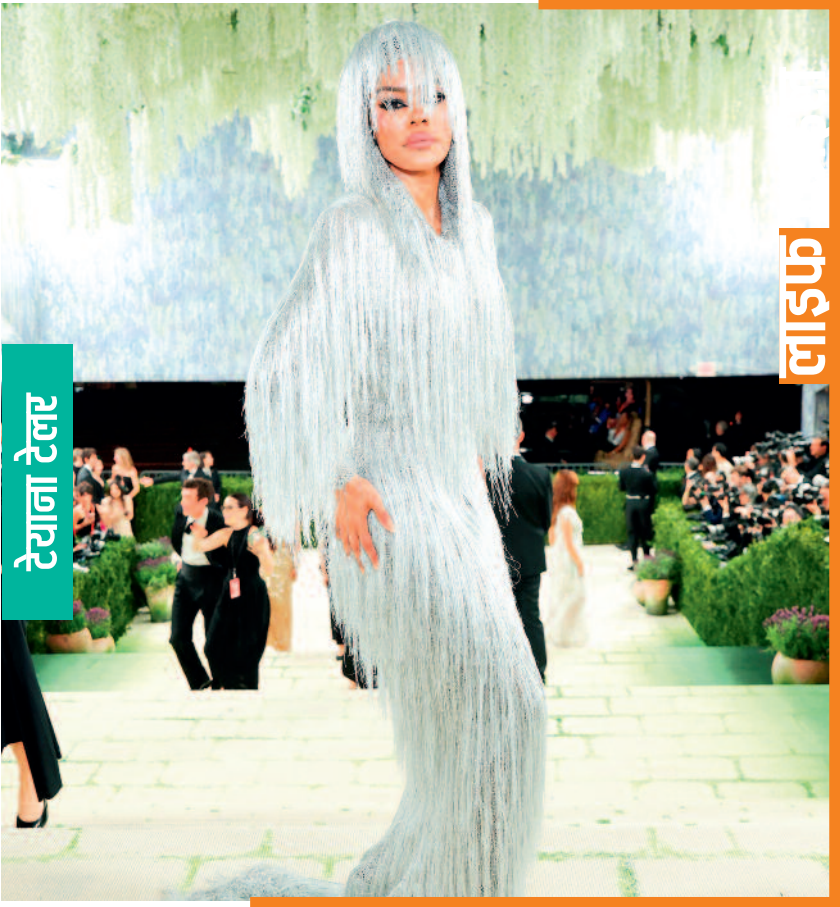
आम्रपाली का फूटा काजल पर गुस्सा



शो 'भोजपुरी बवाल' के एक एपिसोड में काजल राघवानी ने कहा था कि निरहुआ ने भोजपुरी फिल्म 'आशिक आवारा' के एक गाने से उन्हें हटया। काजल ने यह भी कहा कि गाने में आम्रपाली को लिया गया, ऐसा निरहुआ के कहने पर किया गया। इन आरोपों को निरहुआ ने शो में पूरी तरह से नकारा दिया। लेकिन, अब शो में फिल्म 'आशिक आवारा' की एंट्री हुई है, जानिए इस मामले पर प्रोड्यूसर ने क्या कहा? प्रोड्यूसर प्रेम जी ने शो में काजल के आरोपों को नकार दिया। वह कहते हैं, 'काजल आपको ऐसा किसने कहा। यह तो सरासर गलत है। अगर मैंने ऐसा कहा था तो यह आप साबित कीजिए।' यह सुनते ही काजल राघवानी सकपका जाती हैं। जब प्रोड्यूसर अपनी बात कहते हैं तो आम्रपाली कहती हैं, 'अब आप देखिए प्रोड्यूसर गलत, हीरो गलत। यहां बैठा हर आदमी गलत। बस वही (काजल राघवानी) एक सच्ची है।' इसके बाद आम्रपाली रोने लगती हैं क्योंकि उन्हें बेवजह इस विवाद का हिस्सा बनना पड़ा था। रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में ही अभिनेत्री काजल राघवानी ने अभिनेता पवन सिंह पर भी बड़ा आरोप लगाया था। अभिनेत्री ने कहा था, 'पवन सिंह का तुमको पता ही है। वहां उनका किसिंग सीन हुआ था, जबरदस्ती करवाया था। जबकि मैंने किसिंग सीन के लिए मना किया था तो वो सेंट छोड़कर चले गए थे। मैंने सबकी इज्जत की है लेकिन कोई इसके काबिल नहीं है।' बता दें कि काजल राघवानी ने पवन सिंह, निरहुआ और खेसारी लाल यादव जैसे चर्चित भोजपुरी अभिनेताओं के साथ अभिनय किया है।

टेला

एक्ट्रेस टेयाना टेलर ने 2026 में गाला में खास सिल्वर फ्रिंज गाउन पहना था। फर्श तक लंबा यह गाउन पूरी तरह से लंबे, चमकदार मेटेलिक सिल्वर फ्रिंज से ढका हुआ है। इस लुक की खासियत एकदं टीग्रेटेड फ्रिंज हुड है, जो उनके बालों को ढकता है और उनके चेहरे पर आता है।



मोती के गहनों को साफ करने के लिए अपनाएं होम टिप्स, लगेंगे एकदम नए जैसे

मोती के गहने बेहद आकर्षक होते हैं और इन्हें पहनने से व्यक्ति का लुक निखर जाता है। हालांकि, समय के साथ ये गंदे हो जाते हैं और अपनी चमक खोने लगते हैं। इसलिए, अगर आपके पास मोती के गहने हैं तो आपको इन्हें साफ करने के लिए कुछ खास तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि इनकी चमक बरकरार रहे। आइए आज हम आपको मोती के गहनों को साफ करने के तरीके बताते हैं। मुलायम ब्रश और साबुन का करें इस्तेमाल : मोती के गहनों को साफ करने के लिए मुलायम ब्रश और साबुन का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक गिलास पानी में थोड़ा-सा हल्का साबुन डालें। फिर इस मिश्रण में मुलायम ब्रश को डुबोकर हल्के हाथों से मोती के गहनों को साफ करें। ध्यान रखें कि गहनों पर ज्यादा जोर न दें, ताकि वे टूट न जाएं। इसके बाद गहनों को साफ पानी से धो लें और सूखे कपड़े से पोंछ लें।



अमोनिया का घोल आरगा काम : मोती के गहनों को साफ करने के लिए अमोनिया का घोल भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक कपड़े में थोड़ी मात्रा में अमोनिया लेकर गहनों को हल्के हाथों से पोंछें। इससे गंदगी आसानी से निकल जाएगी और मोती की चमक भी बनी रहेगी। ध्यान रखें कि अमोनिया का घोल ज्यादा देर तक गहनों पर न रखें, क्योंकि इससे मोती कमजोर हो सकते हैं। साफ करने के बाद गहनों को हवा में सुखा लें।

कपड़ों पर डिऑडेंट के दाग लग गए हैं तो घबराएं नहीं, इन आसान तरीकों से हटाएं

डिऑडेंट का इस्तेमाल करने से पसीना नहीं आता है और शरीर की दुर्गंध भी दूर रहती है। हालांकि, डिऑडेंट के दाग कपड़ों से साफ करना मुश्किल होता है। खासतौर से अगर डिऑडेंट के दाग हल्के रंग के कपड़ों पर लग जाएं तो वह कपड़ा देखने में गंदा लगता है।

आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप डिऑडेंट के दाग आसानी से साफ कर सकते हैं। नींबू का रस है असरदार : नींबू का रस डिऑडेंट के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए नींबू के रस को दाग वाले हिस्से पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर कपड़े को सामान्य तरीके से धो लें। अगर दाग ज्यादा गहरा है तो नींबू के रस के साथ खाने का सोडा मिलाकर लगाएं और 10 मिनट बाद इसे धो लें। इस प्रक्रिया से कपड़े के दाग हटाने में मदद मिलती है।



सिरका आरगा काम

सिरका एक बेहतरीन सफाई का पदार्थ है, जो डिऑडेंट के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में आधा कप सिरका मिलाएं और कपड़े को 30 मिनट के लिए उसमें भिगो दें। इसके बाद कपड़े को सामान्य तरीके से धो लें। अगर दाग हल्का है तो सिरके का घोल बनाकर दाग पर लगाएं और फिर से धो लें। इससे कपड़े साफ और दागमुक्त हो जाएंगे। बैकिंग सोडा भी है कारगर : खाने का सोडा एक अच्छा विकल्प है, जो डिऑडेंट के दाग साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए थोड़ा खाने का सोडा पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें, फिर इसे दाग पर लगाकर कुछ देर छोड़ दें। इसके बाद कपड़े को हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। अगर दाग ज्यादा गहरा है तो इस प्रक्रिया को दोहराएं। इससे कपड़ों से दाग हटाने में सहायता मिलती है।

कार्नर न्यूज

इस मौके पर महिलाएं चाहती हैं कि वे सबसे अलग और खूबसूरत दिखें

अगर आप इस साल रक्षाबंधन पर क्या पहनेंगी, इस बारे में सोच रही हैं तो हम आपके लिए कुछ बेहतरीन विकल्प लेकर आए हैं। ये आउटफिट न केवल आरामदायक हैं, बल्कि स्टाइलिश और ट्रेंडी भी हैं। आइए रक्षाबंधन के लिए कुछ ट्रेंडी आउटफिट के विकल्प जानते हैं।



कॉर्सेट कुर्ती और प्लाजो

इस साल महिलाओं की पसंदीदा कॉर्सेट कुर्तियां ही रही हैं, जिनके अब कई डिजाइन बाजार में उपलब्ध हैं। इनमें से आप अपनी पसंद के हिसाब से चुन सकती हैं और उसे प्लाजो के साथ पहनकर एक सुंदर लुक हासिल कर सकती हैं। कॉर्सेट कुर्तियां पीछे या साइड से बांधने वाली होती हैं, जो शरीर के हिसाब से बेहतरीन फिटिंग प्रदान करती हैं।

शॉर्ट कुर्ती और स्कर्ट

आज कल जो देसी आउटफिट सबसे ज्यादा चलन में है वह है स्कर्ट के साथ शॉर्ट कुर्ती को स्टाइल करना। स्कर्ट की लंबाई और प्रकार पूरी तरह से आपकी पसंद पर निर्भर करता है। अगर आपको ट्रेंडी लुक चाहिए तो आप शॉर्ट कुर्ती को डेनिम मिनी स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। वहीं, ज्यादा पारंपरिक लुक पसंद करने वाली महिलाएं इन्हें लंबी स्फेद स्कर्ट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

फैशन में लौट आए हैं कई तरह के भारतीय प्रिंट



भारतीय प्रिंट, जैसे कि बंधेज, बागरू, और कांचीवरम, हमेशा से ही भारतीय फैशन का अहम हिस्सा रहे हैं। ये प्रिंट न केवल पारंपरिक होते हैं, बल्कि आज के समय में भी इनका महत्व कम नहीं हुआ है। आजकल के फैशन डिजाइनर इन प्रिंट को नए तरीकों से पेश कर रहे हैं, जिससे ये आधुनिकता और पारंपरिकता का बेहतरीन मेल बनाते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे ये प्रिंट आज के फैशन में शामिल किए जा रहे हैं।

बंधेज प्रिंट: पारंपरिक और आधुनिकता का संगम : बंधेज प्रिंट गुजरात और राजस्थान का एक मशहूर कपड़ा है, जिसे हाथों से रंगा जाता है। आजकल इसे अलग-अलग तरह के कपड़ों में इस्तेमाल किया जा रहा है, जैसे कि कुर्तियां, साड़ियां, और ड्रेस। इस प्रिंट की खासियत यह है कि यह न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि इसमें उपयोग होने वाले रंग भी प्राकृतिक होते हैं, जिससे यह त्वचा के लिए सुरक्षित होता है। इसके अलावा यह पर्यावरण के अनुकूल भी होता है। **बागरू प्रिंट: जैविक रंगों का जादू** : बागरू प्रिंट राजस्थान का एक अनोखा कपड़ा है, जिसे प्राकृतिक रंगों से बनाया जाता है। इसमें नीला रंग खासतौर पर मशहूर है, जो इसे बेहद आकर्षक बनाता है। आजकल बागरू प्रिंट का उपयोग कुर्तियों, बेडशीट और पदों में किया जा रहा है। यह न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि इसमें उपयोग होने वाले रंग भी स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होते हैं। इसके अलावा यह पर्यावरण के अनुकूल भी होता है। **कांचीवरम सिल्क: शाही अंदाज में स्टाइलिश दिखें** : कांचीवरम सिल्क दक्षिण भारत की एक मशहूर साड़ी होती है, जिसे रेशमी धागों से बनाया जाता है। आजकल कांचीवरम सिल्क की साड़ियों का उपयोग शादियों और त्योहारों में किया जा रहा है। इन साड़ियों की खासियत यह होती है कि ये बेहद मजबूत होती हैं और लंबे समय तक चलती हैं। इसके अलावा इनकी चमक और डिजाइन भी बहुत सुंदर होती हैं, जो इन्हें शाही अंदाज देता है। इनका प्रिंट देखते ही बनता है। **पटोला: रंग-बिरंगे डिजाइन** : पटोला गुजरात की एक मशहूर बुनाई तकनीक है, जिसमें रंग-बिरंगे डिजाइन बनाए जाते हैं। आजकल पटोला का उपयोग बुपट्टों और कुर्तियों में किया जा रहा है। पटोला कपड़े की खासियत यह होती है कि इसमें उपयोग होने वाले रंग प्राकृतिक होते हैं, जिससे यह त्वचा के लिए सुरक्षित होता है। इसके अलावा यह पर्यावरण के अनुकूल भी होता है। इन सभी कारणों से भारतीय प्रिंट आजकल के फैशन में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

मानसून के दौरान खास मौकों के लिए महिलाओं को चुननी चाहिए इस तरह की हील्स

मानसून के दौरान बारिश के कारण फिसलन भरी सतहें बन जाती हैं। ऐसे में महिलाओं को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे ऐसी हील्स का चयन करें, जो न केवल खूबसूरत हो, बल्कि आरामदायक भी हो। खास मौकों पर सही हील्स पहनने से आप न केवल आकर्षक दिखेंगी, बल्कि सुरक्षित भी रहेंगी। आइए आज हम आपको मानसून के दौरान खास मौकों के लिए सही हील्स चुनने से जुड़ी जरूरी बातें बताते हैं।

पानी से बचने वाली सामग्री का चयन करें : मानसून में पानी से बचने वाली सामग्री की हील्स चुनना सबसे अच्छा है। चमड़ा, पीवीसी और रबर जैसी सामग्रियों से बनी हील्स बारिश के पानी से सुरक्षित रहती हैं और इन्हें साफ



करना भी आसान होता है। इसके अलावा ये सामग्रियां फिसलन से बचाने में मदद करती हैं। **फिसलन से बचाने वाले तलवों पर ध्यान दें** : हील्स खरीदते समय उनके तलवों पर खास ध्यान दें। फिसलन से बचाने वाले तलवों वाली हील्स फिसलन से बचाने में मदद करती हैं। रबर या PVC तलवों वाले जूते सबसे अच्छे

विकल्प होते हैं, क्योंकि ये जमीन से अच्छी तरह चिपकते हैं और फिसलन को रोकते हैं। इसके अलावा इनका उपयोग करना भी आरामदायक होता है। **लंबाई का चयन सोच-समझकर करें** : मानसून में ऊंची हील्स पहनना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि फिसलन की संभावना अधिक होती है। इसलिए, मध्यम लंबाई की हील्स चुनें, जो आरामदायक हों और फिसलन से बचाएं। अगर आप ऊंची हील्स पहनना चाहती हैं तो प्लेटफॉर्म हील्स का चयन करें, जो आपके पैरों को स्थिरता प्रदान करें और फिसलन से बचाएं। इस तरह आप बारिश में भी बिना किसी चिंता के ऊंची हील्स पहन सकती हैं और आरामदायक महसूस कर सकती हैं।

फारसी सलवार सूट

पिछले कुछ महीनों से इंटरनेट पर फारसी सलवार सूट छाए हुए हैं। इन्हें पहनकर आप न केवल त्योहार वाले दिन सबसे सुंदर दिखेंगी, बल्कि आरामदायक भी महसूस करेंगी। इसमें एक खास तरह की बनावट वाली सलवार होती है, जो इसकी खासियत होती है। इसके साथ आप कॉर्सेट वाली या बिना बाजू वाली कुर्ती सिलवा सकती हैं। इस लुक के साथ बड़े झुमके पहनें और पैरों में जूतियां भी पहन लें। **इंडो-वेस्टर्न ड्रेस** अगर आपको रक्षाबंधन पर कुछ अलग और आरामदायक पहनने का मन है तो इंडो-वेस्टर्न ड्रेस का चुनाव करने पर विचार करें। इस तरह की ड्रेस इन दिनों ट्रेंड में हैं और आपको कई डिजाइन भी मिल जाएंगे।

हॉल्टर नेक शॉर्ट कुर्ती और प्लेयर जींस

हॉल्टर नेक शॉर्ट कुर्ती और प्लेयर जींस भी रक्षाबंधन के लिए एक बढ़िया आउटफिट हो सकता है। चुनरी या किसी खास प्रिंट वाली हॉल्टर नेक शॉर्ट कुर्ती का चयन करें, जिसकी फिटिंग आपके लिए एकदम सही हो। इसके साथ नीले या काले रंग वाली प्लेयर जींस पहनें, जिससे आपको थोड़ा इंडो-वेस्टर्न लुक मिल जाएगा। आप चाहें तो प्लेयर पैंट या फिर बेल बॉटम जींस का भी विकल्प चुन सकती हैं।

